BSES

50 मेगावॉट सौर ऊर्जा के लिए बीएसईएस का समझौता

पावर सेक्रेटरी की मौजूदगी में राजस्थान की एक्मे कंपनी से बीएसईएस का हुआ समझौता

नई दिल्लीः 12 जनवरी, 2010। आज दिल्ली सचिवालय में आयोजित एक सादे समारोह में, बीएसईएस ने राजस्थान की एक्मे कंपनी के साथ एक समझौता किया। इसके तहत, बीएसईएस को सूरज की रोशनी से तैयार होने वाली 50 मेगावॉट बिजली अगले 25 साल तक मिलती रहेगी। बीवाईपीएल के सीईओ श्री रमेश नारायणन, बीआरपीएल के सीईओ श्री गोपाल सक्सेना और एक्मे जैसलमेर प्राइवेट लिमिटेड के वाइस चेयरमैन श्री आरबी मिश्रा ने समझौता–पत्र पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत, बीवाईपीएल और बीआरपीएल, दोनों को 25–25 मेगावॉट बिजली बिलेगी। शक्ति सदन में पावर सेक्रेटरी श्री राजेंद्र कुमार की मौजूदगी में यह समझौता हुआ।

एक्मे के 50 मेगावॉट क्षमता वाले जैसलमेर सोलर प्लांट से बीवाईपीएल और बीआरपीएल को बिजली मिलेगी। प्लांट से मिलने वाली बिजली की कीमत अभी तय नहीं हुई है, यह सीईआरसी द्वारा निर्धारित की जाएगी। उम्मीद की जा रही है कि जून 2011 में इस सोलर प्लांट में बिजली का उत्पादन शुरू हो जाएगा। गौरतलब है कि एक्मे कंपनी राजस्थान में 50–50 मेगावॉट की क्षमता वाले तीन सोलर प्लांट लगा रही है। जैसलमेर, बीकानेर और जोधपुर में ये प्लांट लगाए जा रहे हैं।

सोलर पावर के लिए आज हुए समझौते के मौके पर दिल्ली के पावर सेक्रेटरी श्री राजेंद्र कुमार ने कहा, "जलवायु बदलाव पर राष्ट्रीय एक्शन प्लान का एक हिस्सा है सोलर मिशन और, उसके सामने 2020 तक सूरज की रोशनी से बनने वाले 20, 000 मेगावॉट बिजली के उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। ऐसे छोटे– छोटे कदम मिलकर भारत के जलवायु एजेंडे के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेंगे।" उल्लेखनीय है कि कल ही प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जवाहरलाल नेहरू नैशनल सोलर मिशन **(जेएनएनएसएम)** लॉन्च किया है, जिसके तहत 2020 मे 20, 000 मेगावॉट सोलर पावर के उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने सोलर पावर की दिशा में सबसे पहले कदम उठाने के लिए बीएसईएस को बधाई भी दी।

सोलर प्लांट के लिए एक्मे एक नई तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। जहां पारंपरिक सोलर प्लांट सोलर फोटोवॉल्टिक टेक्नोलॉजी पर आधारित होते हैं, वहीं एक्मे नई पीढ़ी की सोलर थर्मल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही है। उल्लेखनीय है कि जापान और कैलिफोर्निया में सोलर थर्मल प्लांट्स काफी लोकप्रिय हैं। एक्मे के एक अधिकारी के मुताबिक, भारत में सोलर प्लांट्स की बहुत संभावनाएं हैं, क्योंकि यहां औसतन साल के 280 दिन आसमान में सूरज खिला रहता है। बीएसईएस के एक अधिकारी का कहना है कि विभिन्न अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि सोलर पावर को बढ़ावा देने से पर्यावरण प्रदूषण में भारी कमी आएगी।

बीवाईपीएल के सीईओ श्री रमेश नारायणन के मुताबिक, यह बीवाईपीएल का दूसरा प्रयास है, जब हमने पर्यावरण हितैषी पावर प्लांट्स से बिजली खरीद का समझौता किया है। नवंबर 2009 में हमने गाजीपुर प्लांट में तैयार होने जा रही बिजली का 49 प्रतिशत हिस्सा खरीदने का समझौता किया था। इस प्लांट में कचरे से बिजली बनाई जाएगी। हम आगे भी लोगों तक बिजली पहुंचाने के लिए ऐसे तरीकों का इस्तेमाल करते रहेंगे, जो पर्यावरण के अनुकूल हों।

बीआरपीएल के सीईओ श्री गोपाल सक्सेना ने बताया कि जलवायु परिवर्तन के नुकसान को कम करने में सोलर पावर जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोत काफी महत्वपूर्ण साबित होंगे। अक्षय ऊर्जा के प्रति हमारी ललक से यह बात एक बार फिर साबित हो जाती है कि पर्यावरण के लिए हम सिर्फ बात ही नहीं करते, बल्कि अपनी ओर से सार्थक प्रयास भी करते हैं।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
प्रशान्त दुआ–39999870 / 9312007822
चंद्र पी कामत– 39999642 / 9350130304